हेमन्त सोरेन
HEMANT SOREN

मुख्यमंत्री
CHIEF MINISTER

अ.स.प.सं.: 4000034
दिनांक: 01/05/2026

विषयः जनगणना 2027 में आदिवासी/सरना धर्म को पृथक पहचान के रूप में शामिल करने के संबंध में।

माननीय राज्यपाल महोदय,

झारखंड राज्य की पहचान यहां की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा, प्रकृति आधारित जीवनशैली एवं विशिष्ट धार्मिक आस्थाओं से जुड़ी रही है। राज्य के आदिवासी समाज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं सदियों से प्रकृति पूजा, जल–जंगल–जमीन तथा सामुदायिक जीवन मूल्यों पर आधारित रही है, जिसे व्यापक रूप से "सरना धर्म" के रूप में माना जाता है।

झारखंड राज्य के गठन के मूल आधारों में यहां की आिदवासी पहचान, सांस्कृति अस्मिता एवं स्थानीय जनभावनाओं का विशेष महत्व रहा है। राज्य के विभिन्न आदिवासी समुदाय आज भी अपने पारंपरिक रीति–रिवाज, पूजा–पद्धति, पर्व–त्योहार एवं प्रकृति आधारित आस्था को संरक्षित रखते हुए सामाजिक जीवन का संचालन कर रहे हैं।

महोदय, यह सर्वविदित है कि विगत कई वर्षों से झारखण्ड सहित देश के विभिन्न आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जनगणना के दौरान ''सरना धर्म कोड'' की पृथक मान्यता की मांग लगातार उठती रही है। झारखण्ड विधानसभा द्वारा भी इस संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। राज्य के विभिन्न सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं आदिवासी समुदायों द्वारा भी यह भावना निरंतर व्यक्त की जाती रही है कि जनगणना में उनकी विशिष्ट धार्मिक पहचान को पृथक रूप से दर्ज किया जाना चाहिए।

आपके द्वारा की गयी स्व–गणना (Self Enumeration) की प्रक्रिया के दौरान यह देखा गया होगा कि विहित प्रपत्र में अनुसूचित जनजाति (ST) एवं अनुसूचित जाति (SC) से संबंधित कॉलम का उल्लेख तो किया गया है, किन्तु आदिवासी समाज की विशिष्ट धार्मिक पहचान ''सरना धर्म' के पृथक उल्लेख का स्पष्ट प्रावधान नहीं दिखता। इससे यह भावना स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होती है कि सामाजिक एवं प्रशासनिक वर्गीकरण के साथ–साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का भी समुचित अभिलेखीकरण आवश्यक है। यह किसी समुदाय की विशिष्ट पहचान का पृथक रूप से अभिलेखीकरण नहीं किया गया है, तो उससे भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

महोदय, संविधान की धारा–244 एवं पांचवीं अनुसूची में राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्र और जानजातियों के अधिकार की सुरक्षा के लिए कुछ विशेष उत्तरदायित्व दिये गये है, जो झारखण्ड जैसे राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप झारखण्ड की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा यहाँ की जनभावनाओं से भली–भाँति

Kanke Road, Ranchi - 834 008 (Jharkhand)
Tel.: 0651-2280886, 2280996, 2400233 Fax.: 0651-2280717, 2400232
E-mail: chiefminister.jharkhand19@gmail.com

परिचित हैं। राज्य के आदिवासी समाज की यह अपेक्षा रही है कि उनकी पारंपरिक आस्था एवं धार्मिक पहचान को संवैधानिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उचित सम्मान एवं स्थान प्राप्त हो।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि आगामी जनगणना में सरना धर्म (अथवा अन्य सदृश्य धार्मिक व्यवस्था) को अलग कोड देते हुए उसको पृथक पहचान प्रदान किए जाने के संबंध में राज्य की जनभावनाओं, झारखण्ड विधानसभा के संकल्प तथा आदिवासी समाज की सांस्कृतिक अस्मिता को ध्यान में रखते हुए माननीय राष्ट्रपति एंव माननीय प्रधानमंत्री जी के समक्ष इस विषय पर सकारात्मक पहल एवं आवश्यक अनुशंसा करने की कृपा करें।

यह पहल झारखण्ड की आदिवासी संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं लोकतांत्रिक सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सादर,

भवदीय,

(हेमन्त सोरेन)

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल
लोक भवन, राँची, झारखण्ड।

काँके रोड, राँची–834008/ Kanke Road, Ranchi-834008
दूरभाष/Tele.-0651-2280886, 2280996, 2400233. फैक्स/Fax– 2280717, 2400232